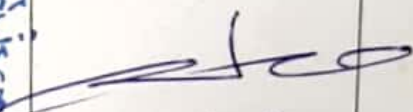
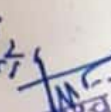


11/3/2019 पत्रावली पेश हुई। वकील अजीलांत श्री सुवर्णकुमार चौधरी उपस्थित। अजीलांतकी ओर से उनके अधीकृत अधीकृत ने एक प्रार्थना-पत्र वास्ते "विद्वे" करते "अजीलांत" पेश किया जिसमें अजीलांतकी ने प्रस्तावित किया है कि उक्त प्रकार से अब हमारे लोक अदालत की आवना से राजीनामा की बात चल रही है हमारे अब हम एम अजीलांत की बात नहीं चलाना चाहते हैं। वकील अजीलांत की एम प्रार्थना-की 'लोक अदालत की आवना' के मसूदेनजर स्वीकार करने से कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होती सिद्धांत प्रार्थना-पत्र स्वीकार कर अजीलांत अजीलांत अदालत विद्वे स्वार्थ की जाती है। पत्रावली चौधरी सुवर्णकुमार दोस्त गैर से कम है।


11.3.19


राजेश्वर अपील प्राधिकारी
बाड़मेर